राधे कौन से पुण्य किए तूने

राधे कौन से पुण्य किए तूने,
हरी रोज तेरे घर आते हैं,
राधे कौन से पुण्य किए तूने,
हरी रोज तेरे घर आते हैं।।

राधे जब सोलह श्रृंगार करे,
राधे जब सोलह श्रृंगार करे,
हरी दर्पण रोज दिखाते हैं,
राधे कौन से पुण्य किए तूने,
हरी रोज तेरे घर आते हैं.....

राधे जब भोजन तैयार करे,
राधे जब भोजन तैयार करे,
हरी माँग माँग कर खाते हैं,
राधे कौन से पुण्य किए तूने,
हरी रोज तेरे घर आते हैं.....

राधे जब जमुना जल भरण गई,
राधे जब जमुना जल भरण गई,
हरी गागर रोज उठाते हैं,
राधे कौन से पुण्य किए तूने,
हरी रोज तेरे घर आते हैं,
राधे कौन से पुण्य किए तूने,
हरी रोज तेरे घर आते हैं.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23464/title/radhe-kaun-se-punya-kiye-tune

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |